

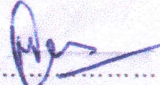
PROFORMA FOR SAFE DRINKING WATER AND SANITARY CONDITION CERTIFICATE

No.

Dated: 29/8/2024

It is certified that an inspection team headed by Sm. Mahendra Singh Jena(Name of Officers with designation) from A.E.N.D.H.E.O. Sub. Div. Nohar(Name of Department/ Office) inspected the SANSKAR INTERNATIONAL SCHOOL, N

Name & Address of the school) on NOHAR (date of inspection) and found that the SANSKAR INTERNATIONAL SCHOOL (Name of school) has safe drinking water facilities for the students and members of staff of the institution and is maintaining the hygienic sanitation condition in the school building & the campus as per norms prescribed by the Central/ State/ U.T. Govt.

The above is valid for a period of 28/8/2025Signature with Seal: Name: कनिष्ठ अभियन्ताDesignation: जब खा० अभि० विभागName & Address of the Office / Department: उपखण्ड नोहर

To

SANSKAR INTERNATIONAL
SCHOOL, NOHAR, IBKK BHADRA
ROAD, NOHAR, HANUMANWARH (RAJ.)

(Name & Address of the Institution)

* The filled up certificate should be either in Hindi or English. If it is issued in vernacular language, translated notarized version in English be uploaded along with the original vernacular certificate as a single pdf.

Mahs
सचिव
श्री हरीराम शिक्षा समिति
नोहर जिला-हनुमानगढ (राज.)

पानी का विश्लेषण एवं सिफारिश

(1) पी.एच.मान..... 7.7-8.0..... (2) विद्युत चालकता..... 0.69.....

(3) पानी हेतु गुणवत्ता प्रयोग हेतु सिफारिश.....

1. पानी सिंचाई योग्य है।

2. पानी हल्का खवपीय किस्म का है, नहर के पानी के साथ मिलाकर प्रयोग करें।

3. पानी हल्का क्षारीय किस्म का है जिप्सम का प्रयोग करें।

4. पानी सिंचाई योग्य नहीं है।

:(1) पानी के नमूने स्वयं कृषक द्वारा लाये गये हैं।

(2) खरीब/रबी/जायद फसल मौसम से पहले जांच करवाना उचित रहता है।

(3) देशी खाद या वर्मी कम्पोस्ट की सिफारिश की गई मात्रा में से एक काम लें।

(4) उर्वरक के सिफारिश किये गये संयोजन में से कोई एक संयोजन काम में लें।

योग्य भूमि :-

* खेत में काले भूरे चकत्ते,

* भूमि का सख्त होना,

* पानी का खड़ा रहना,

* अंकुरण में कमी व बढ़वारा रूकना,

जर-जिप्सम प्रयोग द्वारा समस्या से छुटकारा

* वर्षा पूर्व खेत की जुताई करें।

* खेत को समतल कर मेड़बन्दी करें।

* सिफारिश मात्रा अनुसार जिप्सम मिट्टी की उपरी सतह में मिलावें।

* खेत को बड़ी-बड़ी क्यारियों में बांटे, क्यारी की मेंड 1 फीट उंची रखें।

* इन खण्डों में वर्षा का पानी 10 से 15 दिनों तक भरा रहने दें।

* बत्तर आने पर ढँचा (जन्तर) द्वारा हरी खाद करें।

* रबी में जौ, सरसों, गेहूँ इत्यादि बोयें।

योग्य भूमि :-

* गर्मियों में भूमि पर सफेद भूरी राख जैसी पपड़ी।

* नंगे पांव चलने पर मुलायम अनुभव।

* कम अंकुरण व बढ़वार में कमी।

-जिप्सम का प्रयोग नहीं करें। इसके अतिरिक्त उपरोक्तानुसार सभी क्रियाएँ अपनायें।

युनिट उर्वरकों की क्षमता बढ़ायें :-

आवश्यक पोषक तत्वों का एक तिहाई भाग जैविक स्रोतों से दें।

फास्फोरस व पोटाश युक्त उर्वरकों की पूरी मात्रा व नत्रजन की आधी मात्रा बुवाई के समय ऊर कर दें।

नत्रजन की शेष आधी मात्रा दो बराबर भागों में प्रथम सिंचाई के समय व फूल आने के समय दें।

कार्यालय कृ.अ. अधि. मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला

हनुमानगढ़



मृदा स्वास्थ्य कार्ड

मृदा की जाँच - काम एक लाभ अनेक

- * मृदा स्वास्थ्य की पहचान
- * समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन
- * लवणीयता व क्षारीयता की माप एवं सुधार
- * उपजाऊ शक्ति में बढ़ोतरी
- * फसलों/फल वृक्षों के चयन में सुविधा
- * उत्पादन लागत में कमी



मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला..... हनुमानगढ़
प्रयोगशाला क्रमांक..... दिनांक..... 13/8/24
कृषक का नाम मय पिता का नाम..... रमेश चन्द्र शर्मा बुल
पूरा पता/चक..... नाहरतह..... हनुमानगढ़
जिला..... हनुमानगढ़
खेत की पहचान/खसरा नं.....
सिंचित/असिंचित द्यूबवेल पानी, अन्य.....

कृषि विभाग, हनुमानगढ़ (राजस्थान)

गार्ग्य.कु.अ.अ. (रसायन) मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला, हनुमानगढ़ टाउन

राजस्थान सरकार

मिट्टी/पानी के नमूनों की प्राप्ति रसीद

द नं. 13464

दिनांक 12/8/24

पुत्र श्री

गांव/कृ.पर्य.मुख्यालय

हाल्कार इन्दरशाम दुल-नाथ

मि.पानी

मिट्टी/पानी/सूक्ष्म पोषक तत्व के नमूने व उनकी जाच

शि

रूपये प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु प्राप्त किए।

5

कृषि अ.अ./सिहा. कार्य.
मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला
हनुमानगढ़ टाउन